ForumIAS

यूपीएससी सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा — हिन्दी (अनिवार्य)

150 वाक्य-शुद्धि (अशुद्ध वाक्यों के शुद्ध रूप)

क्र.	अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य	त्रुटि / कारण
1	दही बहुत खट्टी है।	**दही बहुत खट्टा है।**	'दही' पुल्लिंग है
2	मेरा नाक सुंदर है।	**मेरी नाक सुंदर है।**	'नाक' स्त्रीलिंग है
3	वह अपना पुस्तक लाया।	**वह अपनी पुस्तक लाया।**	'पुस्तक' स्त्रीलिंग है
4	मेरा दादी घर पर हैं।	**मेरी दादी घर पर हैं।**	लिंग-दोष
5	हवा बहुत तेज़ चल रहा है।	**हवा बहुत तेज़ चल रही है।**	'हवा' स्त्रीलिंग है
6	गंगा एक पवित्र नद है।	**गंगा एक पवित्र नदी है।**	'गंगा' नदी है, 'नद' नहीं
7	उसने अपनी प्राण त्याग दिए।	**उसने अपने प्राण त्याग दिए।**	'प्राण' पुल्लिंग, बहुवचन
8	मैंने पुस्तक पढ़ी और उसे लौटा दिया।	**मैंने पुस्तक पढ़ी और उसे लौटा दी।**	लिंग-मेल दोष
9	उसने अपने प्राणों की बलि दे दिया।	**उसने अपने प्राणों की बलि दे दी।**	'बलि' स्त्रीलिंग है
10	उसकी आवाज़ बहुत मीठा है।	**उसकी आवाज़ बहुत मीठी है।**	'आवाज़' स्त्रीलिंग है
11	लड़की खेल रहा है।	**लड़की खेल रही है।**	लिंग-क्रिया मेल दोष
12	गाय घास खा रहा है।	**गाय घास खा रही है।**	लिंग-क्रिया मेल दोष
13	नदी बह रहा है।	**नदी बह रही है।**	लिंग-क्रिया मेल दोष
14	रोटी जल गया।	**रोटी जल गई।**	लिंग-मेल दोष
15	किताब मेज़ पर रखा है।	**किताब मेज़ पर रखी है।**	लिंग-मेल दोष
16	वहाँ अनेक लोग खड़ा था।	**वहाँ अनेक लोग खड़े थे।**	वचन-दोष
17	सभी लड़का चला गया।	**सभी लड़के चले गए।**	वचन-दोष
18	मैंने अनेकों पुस्तकें पढ़ीं।	**मैंने अनेक पुस्तकें पढ़ीं।**	'अनेकों' अशुद्ध; 'अनेक' स्वयं बहुवचन
19	प्रत्येक छात्रों को पुरस्कार मिला।	**प्रत्येक छात्र को पुरस्कार मिला।**	'प्रत्येक' के साथ एकवचन
20	हर एक व्यक्तियों को सचेत रहना चाहिए।	**हर एक व्यक्ति को सचेत रहना चाहिए।**	'हर एक' के साथ एकवचन
21	कई विद्यार्थीगण उपस्थित थे।	**कई विद्यार्थी उपस्थित थे।**	'गण' पहले से बहुवचन; पुनरुक्ति
22	दर्शकगणों ने तालियाँ बजाईं।	**दर्शकों ने तालियाँ बजाईं।**	'गणों' अशुद्ध बहुवचन
23	पिताजी बाज़ार गया।	**पिताजी बाज़ार गए।**	आदरार्थ बहुवचन
24	माताजी बाज़ार गया।	**माताजी बाज़ार गईं।**	आदरार्थ बहुवचन
25	नेताजी ने भाषण दिया और चला गया।	**नेताजी ने भाषण दिया और चले गए।**	आदरार्थ बहुवचन
26	गुरुजी आज नहीं आया।	**गुरुजी आज नहीं आए।**	आदरार्थ बहुवचन
27	दादाजी सो रहा है।	**दादाजी सो रहे हैं।**	आदरार्थ बहुवचन
28	अध्यापक जी पढ़ा रहा है।	**अध्यापक जी पढ़ा रहे हैं।**	आदरार्थ बहुवचन
29	मेरे को यह अच्छा लगता है।	**मुझे यह अच्छा लगता है।**	'मेरे को' अशुद्ध सर्वनाम
30	तेरे को क्या चाहिए?	**तुझे क्या चाहिए?**	'तेरे को' अशुद्ध सर्वनाम
31	हमको वहाँ जाना है।	**हमें वहाँ जाना है।**	'हमको' के स्थान पर 'हमें'
32	वह मेरे से बड़ा है।	**वह मुझसे बड़ा है।**	'मेरे से' अशुद्ध; 'मुझसे'
33	आपको मेरे को बताना चाहिए।	**आपको मुझे बताना चाहिए।**	'मेरे को' अशुद्ध
34	मैंने वहाँ जाना है।	**मुझे वहाँ जाना है।**	कर्ता-दोष; 'मुझे' उचित
35	मैं तुमको एक बात कहता हूँ।	**मैं तुमसे एक बात कहता हूँ।**	'कहना' के साथ 'से'
36	मेरे को जाने दो।	**मुझे जाने दो।**	'मेरे को' अशुद्ध
37	राम ने घर जाता है।	**राम घर जाता है।**	अकर्मक/वर्तमान में 'ने' नहीं

क्र.	अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य	त्रुटि / कारण
38	सीता ने रोई।	**सीता रोई।**	अकर्मक क्रिया में 'ने' नहीं
39	बालक ने सो गया।	**बालक सो गया।**	अकर्मक क्रिया में 'ने' नहीं
40	उसने सोया।	**वह सोया।**	'सोना' अकर्मक; 'ने' नहीं
41	बच्चे ने हँसा।	**बच्चा हँसा।**	अकर्मक क्रिया में 'ने' नहीं
42	पक्षी ने उड़ गया।	**पक्षी उड़ गया।**	अकर्मक क्रिया में 'ने' नहीं
43	वह विद्यालय को गया।	**वह विद्यालय गया।**	स्थान के साथ 'को' नहीं
44	मैं दिल्ली को जाऊँगा।	**मैं दिल्ली जाऊँगा।**	स्थान के साथ 'को' नहीं
45	पक्षी आकाश को उड़ गया।	**पक्षी आकाश में उड़ गया।**	कारक-दोष; 'में' उचित
46	यह काम मेरे द्वारा नहीं हो सकता।	**यह काम मुझसे नहीं हो सकता।**	कर्मवाच्य का अनुचित प्रयोग
47	उसने मुझको बुलाया और मैंने आया।	**उसने मुझको बुलाया और मैं आया।**	'आना' अकर्मक; 'ने' नहीं
48	वह स्वयं अपने आप चला गया।	**वह स्वयं चला गया।**	'स्वयं' व 'अपने आप' की पुनरुक्ति
49	मुझे केवल मात्र इतना ही कहना है।	**मुझे केवल इतना कहना है।**	'केवल/मात्र/ही' की पुनरुक्ति
50	वहाँ लगभग सौ के करीब लोग थे।	**वहाँ लगभग सौ लोग थे।**	'लगभग' व 'करीब' की पुनरुक्ति
51	फल, सब्ज़ी आदि इत्यादि मिलते हैं।	**फल, सब्ज़ी आदि मिलते हैं।**	'आदि' व 'इत्यादि' की पुनरुक्ति
52	सिर्फ़ केवल तुम्हें आना है।	**केवल तुम्हें आना है।**	'सिर्फ़' व 'केवल' की पुनरुक्ति
53	वह प्रायः अक्सर देर से आता है।	**वह प्रायः देर से आता है।**	'प्रायः' व 'अक्सर' की पुनरुक्ति
54	मैं अपने घर वापस लौट आया।	**मैं अपने घर लौट आया।**	'वापस' व 'लौट' की पुनरुक्ति
55	यह सबसे सर्वोत्तम उपाय है।	**यह सर्वोत्तम उपाय है।**	'सबसे' व 'सर्वोत्तम' की पुनरुक्ति
56	वह सबसे सुंदरतम है।	**वह सुंदरतम है।**	'सबसे' व 'तम' की पुनरुक्ति
57	यह एक अत्यंत श्रेष्ठतम रचना है।	**यह एक श्रेष्ठतम रचना है।**	'अत्यंत' व 'तम' की पुनरुक्ति
58	दिन-प्रतिदिन दिनोंदिन उन्नति हो रही है।	**दिन-प्रतिदिन उन्नति हो रही है।**	पुनरुक्ति दोष
59	उपस्थित सभी सज्जनगण को नमस्कार।	**उपस्थित सज्जनों को नमस्कार।**	'सभी' व 'गण' की पुनरुक्ति
60	कृपया आप कृपा करके बैठिए।	**कृपया बैठिए।**	'कृपया' व 'कृपा करके' की पुनरुक्ति
61	आजकल के आधुनिक युग में प्रगति हो रही है।	**आधुनिक युग में प्रगति हो रही है।**	'आजकल' व 'आधुनिक' की पुनरुक्ति
62	वह मौन होकर चुप रहा।	**वह मौन रहा।**	'मौन' व 'चुप' की पुनरुक्ति
63	सब में परस्पर आपसी प्रेम है।	**सब में परस्पर प्रेम है।**	'परस्पर' व 'आपसी' की पुनरुक्ति
64	वह पीछे मुड़कर पीछे देखने लगा।	**वह मुड़कर देखने लगा।**	पुनरुक्ति दोष
65	वह नीचे ज़मीन पर गिर पड़ा।	**वह ज़मीन पर गिर पड़ा।**	'नीचे' व 'ज़मीन' की पुनरुक्ति
66	वह आगे बढ़कर आगे चला गया।	**वह आगे बढ़ गया।**	पुनरुक्ति दोष
67	मैंने अपनी आँखों से स्वयं देखा।	**मैंने अपनी आँखों से देखा।**	पुनरुक्ति दोष
68	उसका देहावसान हो गया और वह मर गया।	**उसका देहावसान हो गया।**	'देहावसान' में अर्थ निहित; पुनरुक्ति
69	वह विधवा स्त्री है जिसका पति मर चुका है।	**वह विधवा है।**	'विधवा' में अर्थ निहित
70	वह अविवाहित है और उसने विवाह नहीं किया।	**वह अविवाहित है।**	अर्थ की पुनरुक्ति
71	आगामी भविष्य में हम मिलेंगे।	**भविष्य में हम मिलेंगे।**	'आगामी' व 'भविष्य' की पुनरुक्ति
72	वह प्रत्यक्ष रूप से अपनी आँखों से देखकर आया।	**वह अपनी आँखों से देखकर आया।**	पुनरुक्ति दोष
73	वह सौंदर्यता की प्रतिमा है।	**वह सौंदर्य की प्रतिमा है।**	'सौंदर्य' स्वयं भाववाचक; 'ता' अनुचित
74	उसमें बड़ी माधुर्यता है।	**उसमें बड़ा माधुर्य है।**	भाववाचक में पुनः 'ता' अनुचित

क्र.	अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य	त्रुटि / कारण
75	उसका गौरवता बढ़ा।	**उसका गौरव बढ़ा।**	'गौरव' स्वयं भाववाचक
76	उसकी चातुर्यता प्रसिद्ध है।	**उसकी चतुरता प्रसिद्ध है।**	'चातुर्यता' अशुद्ध
77	उसके पांडित्यता की प्रशंसा हुई।	**उसके पांडित्य की प्रशंसा हुई।**	भाववाचक में पुनः 'ता' अनुचित
78	यद्यपि वह निर्धन है लेकिन ईमानदार है।	**यद्यपि वह निर्धन है तथापि ईमानदार है।**	'यद्यपि' का सहचर 'तथापि'
79	यद्यपि वह परिश्रमी है परंतु सफल नहीं हुआ।	**यद्यपि वह परिश्रमी है तथापि सफल नहीं हुआ।**	'यद्यपि–तथापि' का मेल
80	क्योंकि वह बीमार था इसलिए नहीं आया।	**वह बीमार था इसलिए नहीं आया।**	समुच्चयबोधक की पुनरुक्ति
81	चूँकि वह देर से आया इसलिए उसे दंड मिला।	**चूँकि वह देर से आया, उसे दंड मिला।**	'चूँकि' के साथ 'इसलिए' अनुचित
82	शायद वह अवश्य आएगा।	**वह अवश्य आएगा।**	'शायद' व 'अवश्य' में विरोध
83	संभवतः वह निश्चित रूप से आएगा।	**संभवतः वह आएगा।**	'संभवतः' व 'निश्चित' में विरोध
84	क्या तुमने खाना नहीं खाया क्या?	**क्या तुमने खाना नहीं खाया?**	'क्या' की पुनरुक्ति
85	उसने परिक्षा दी।	**उसने परीक्षा दी।**	वर्तनी: 'परीक्षा'
86	यह एक अद्‌भुत दृष्य है।	**यह एक अद्‌भुत दृश्य है।**	वर्तनी: 'दृश्य'
87	वह अतिथी का सत्कार करता है।	**वह अतिथि का सत्कार करता है।**	वर्तनी: 'अतिथि'
88	मुझे उसपर विश्वास है।	**मुझे उस पर विश्वास है।**	'उस पर' पृथक् लिखा जाता है
89	वह ब्राम्हण है।	**वह ब्राह्मण है।**	वर्तनी: 'ब्राह्मण'
90	यह पुस्तक ग्यानवर्धक है।	**यह पुस्तक ज्ञानवर्धक है।**	वर्तनी: 'ज्ञान'
91	उसकी दशा दयनिय है।	**उसकी दशा दयनीय है।**	वर्तनी: 'दयनीय'
92	यह उसका अधिकारिक वक्तव्य है।	**यह उसका आधिकारिक वक्तव्य है।**	वर्तनी: 'आधिकारिक'
93	यह पुरस्कार उत्कृष्ठ कार्य के लिए है।	**यह पुरस्कार उत्कृष्ट कार्य के लिए है।**	वर्तनी: 'उत्कृष्ट'
94	वह अनाधिकार हस्तक्षेप कर रहा है।	**वह अनधिकार हस्तक्षेप कर रहा है।**	वर्तनी: 'अनधिकार'
95	उसकी बुद्धि बहुत तीक्षण है।	**उसकी बुद्धि बहुत तीक्ष्ण है।**	वर्तनी: 'तीक्ष्ण'
96	वह निरपराधी है।	**वह निरपराध है।**	'निरपराध' शुद्ध रूप
97	वह प्रतिष्ठित व्यक्ती है।	**वह प्रतिष्ठित व्यक्ति है।**	वर्तनी: 'व्यक्ति'
98	उसने आशिर्वाद दिया।	**उसने आशीर्वाद दिया।**	वर्तनी: 'आशीर्वाद'
99	वह प्रतिनीधि बनकर आया।	**वह प्रतिनिधि बनकर आया।**	वर्तनी: 'प्रतिनिधि'
100	यह पुस्तक बहुत रुचीकर है।	**यह पुस्तक बहुत रुचिकर है।**	वर्तनी: 'रुचिकर'
101	वह कवियत्री प्रसिद्ध है।	**वह कवयित्री प्रसिद्ध है।**	वर्तनी: 'कवयित्री'
102	वह श्रीमति के साथ आया।	**वह श्रीमती के साथ आया।**	वर्तनी: 'श्रीमती'
103	उसने अनुग्रहीत किया।	**उसने अनुगृहीत किया।**	वर्तनी: 'अनुगृहीत'
104	वह उज्जवल भविष्य चाहता है।	**वह उज्ज्वल भविष्य चाहता है।**	वर्तनी: 'उज्ज्वल'
105	उसकी आयू अधिक है।	**उसकी आयु अधिक है।**	वर्तनी: 'आयु'
106	वह अहंकारि व्यक्ति है।	**वह अहंकारी व्यक्ति है।**	वर्तनी: 'अहंकारी'
107	वे पूज्यनीय व्यक्ति हैं।	**वे पूजनीय व्यक्ति हैं।**	वर्तनी: 'पूजनीय'
108	उसने प्रतिज्ञां की।	**उसने प्रतिज्ञा की।**	अनुस्वार-दोष: 'प्रतिज्ञा'
109	उन्होने मुझे बुलाया।	**उन्होंने मुझे बुलाया।**	अनुस्वार-दोष: 'उन्होंने'
110	मैं भी वहां था।	**मैं भी वहाँ था।**	चंद्रबिंदु-दोष: 'वहाँ'
111	वह अत्याधिक प्रसन्न है।	**वह अत्यधिक प्रसन्न है।**	वर्तनी: 'अत्यधिक'
112	वह पुरुस्कार का पात्र है।	**वह पुरस्कार का पात्र है।**	वर्तनी: 'पुरस्कार'
113	उसने प्रसंशा की।	**उसने प्रशंसा की।**	वर्तनी: 'प्रशंसा'

क्र.	अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य	त्रुटि / कारण
114	उसने ईर्षा की।	**उसने ईर्ष्या की।**	वर्तनी: 'ईर्ष्या'
115	वह द्वंद में फँसा है।	**वह द्वंद्व में फँसा है।**	वर्तनी: 'द्वंद्व'
116	यह घटना अविस्मर्णीय है।	**यह घटना अविस्मरणीय है।**	वर्तनी: 'अविस्मरणीय'
117	उसका व्यवहार शिष्ठ है।	**उसका व्यवहार शिष्ट है।**	वर्तनी: 'शिष्ट'
118	वह अनुशाशन का पालन करता है।	**वह अनुशासन का पालन करता है।**	वर्तनी: 'अनुशासन'
119	वह मुझे बहुत आदरणिय है।	**वह मुझे बहुत आदरणीय है।**	वर्तनी: 'आदरणीय'
120	उसे अच्छे स्वास्थ की कामना है।	**उसे अच्छे स्वास्थ्य की कामना है।**	वर्तनी: 'स्वास्थ्य'
121	वह अच्छा गाना गाता हैं।	**वह अच्छा गाना गाता है।**	एकवचन में 'है'
122	हम लोग जा रहा हूँ।	**हम लोग जा रहे हैं।**	वचन-क्रिया मेल दोष
123	तुम कहाँ जा रहा हो?	**तुम कहाँ जा रहे हो?**	वचन-क्रिया मेल दोष
124	वे बाज़ार जा रहा है।	**वे बाज़ार जा रहे हैं।**	वचन-क्रिया मेल दोष
125	वह पढ़ रहा है और लिख रहा था।	**वह पढ़ रहा था और लिख रहा था।**	काल-मेल दोष
126	जब मैं पहुँचा तब गाड़ी जा चुकी।	**जब मैं पहुँचा तब गाड़ी जा चुकी थी।**	काल-दोष
127	कल मैं बाज़ार जाता हूँ।	**कल मैं बाज़ार जाऊँगा।**	काल-दोष; भविष्यत् काल
128	वह कल आया है।	**वह कल आया था।**	काल-दोष
129	मैं यह काम कल करूँगा था।	**मैं यह काम कल करने वाला था।**	अशुद्ध क्रिया-रूप
130	वह एक विद्वान महिला है।	**वह एक विदुषी महिला है।**	'विद्वान' का स्त्रीलिंग 'विदुषी'
131	उसकी पत्नी बहुत विद्वान है।	**उसकी पत्नी बहुत विदुषी है।**	'विद्वान' का स्त्रीलिंग 'विदुषी'
132	वह पानी खा रहा है।	**वह पानी पी रहा है।**	अनुपयुक्त क्रिया का प्रयोग
133	मैंने रोटी और दूध पीया।	**मैंने रोटी खाई और दूध पीया।**	अनुपयुक्त क्रिया का प्रयोग
134	वह भूख से भूखा है।	**वह भूखा है।**	पुनरुक्ति दोष
135	वहाँ बहुत सारे भीड़ थी।	**वहाँ बहुत भीड़ थी।**	'भीड़' के साथ 'सारे' अनुचित
136	उसके पास बहुत सारा पुस्तकें हैं।	**उसके पास बहुत सारी पुस्तकें हैं।**	लिंग-मेल दोष
137	मुझे थोड़ा-सा कुछ काम है।	**मुझे थोड़ा काम है।**	पुनरुक्ति दोष
138	राम, श्याम तथा और मोहन आए।	**राम, श्याम और मोहन आए।**	'तथा' व 'और' की पुनरुक्ति
139	वह तथा उसका भाई तथा बहन आए।	**वह, उसका भाई और बहन आए।**	समुच्चयबोधक की पुनरुक्ति
140	मैं और मेरा मित्र गया।	**मैं और मेरा मित्र गए।**	बहुवचन क्रिया अपेक्षित
141	तुम और मैं जाऊँगा।	**तुम और मैं जाएँगे।**	बहुवचन क्रिया अपेक्षित
142	रमेश और सुरेश आया।	**रमेश और सुरेश आए।**	बहुवचन क्रिया अपेक्षित
143	तुममें और मेरे में कोई अंतर नहीं।	**तुममें और मुझमें कोई अंतर नहीं।**	सर्वनाम-रूप दोष
144	मैं खाना खा के आया।	**मैं खाना खाकर आया।**	'खा के' के स्थान पर 'खाकर'
145	वह आँखों से अंधा है।	**वह अंधा है।**	'आँखों से' अनावश्यक
146	उसका उच्चारण बहुत साफ़ और स्पष्ट है।	**उसका उच्चारण बहुत स्पष्ट है।**	'साफ़' व 'स्पष्ट' की पुनरुक्ति
147	वह अपने कर्तव्यों का पालन ठीक ढंग से भली-भाँति करता है।	**वह अपने कर्तव्यों का पालन भली-भाँति करता है।**	पुनरुक्ति दोष
148	मुझे संस्कृत नहीं आता।	**मुझे संस्कृत नहीं आती।**	'संस्कृत' (भाषा) स्त्रीलिंग
149	वह हिंदी अच्छा जानता है।	**वह हिंदी अच्छी तरह जानता है।**	क्रियाविशेषण-दोष
150	सारा रात वह जागता रहा।	**सारी रात वह जागता रहा।**	'रात' स्त्रीलिंग